क्विक हील फाउंडेशन के विकसित मोबाइल क्लिनिक से बिहार के बाढ़-पीड़ित क्षेत्रों में 40,000+ लोगों को मिली राहत

पटना। बिहार में बाढ़ की विभीषिका एक सालाना घटना है। यहाँ बाढ़ के कारण जल-जमाव, जलजनित रोगों के प्रसार जैसी अनेक मुश्किलें पैदा होती हैं। इसके चलते फँसे हुए हजारों लोगों को स्थानांतरित होना पड़ता है। प्राकृतिक आपदाओं का हमेशा ही गरीबी, बेरोजगारी और प्राथमिक स्वास्थ्यसेवा सम्बन्धी सुविधाओं की कमी से सीधा सम्बन्ध होता है, जो आबादी के बीच आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा के लिए जिम्मेदार हैं। बिहार में,पटना और गोपालगंज जिलों के लगभग 80 से अधिक गाँव बाढ़ की चपेट में फंसते हैं। इससे इन गाँवों के निवासियों को बीमारियों की बढ़ती चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इसकी वजह से उचित स्वास्थ्य देखभाल में कमी के कारण स्वास्थ्य की छोटी-मोटी समस्यायें भी समय के साथ गंभीर अवस्था में बदल जाती हैं। इस समस्या का हल निकालने के लिए क्विक हील टेक्नोलॉजीज की सीएसआर इकाई, क्विक हील फाउंडेशन ने स्वेच्छा से पटना के पाटलिपुत्र इलाके में कार्यरत एनजीओ, बिरसा सेवा प्रकल्प को एक पूर्ण विकसित मोबाइल क्लिनिक दान किया है। इस मोबाइल क्लिनिक को ह्वआरोग्य यानह्व का नाम दिया गया है। बिरसा सेवा प्रकल्प जमीनी स्तर पर काम

करने वाला एक प्रसिद्ध एनजीओ है। यह बच्चों की शिक्षा में सुधार और कौशल विकास के माध्यम से महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए काम करता है। साथ ही, यह बाढ़ और अन्य प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राहत के लिए स्वास्थ्य और मानवीय सेवाएँ प्रदान करता है। इस दान समारोह का आयोजन लालू नगर, पाटलिपुत्र जंक्शन के निकट, जगत विहार कॉलोनी, रुकनपुरा, पटना, बिहार में 7 मार्च, 2022 को शाम 5 बजे किया गया था। इस समारोह में बिरसा सेवा प्रकल्प एनजीओ के ट्रस्टी, श्री कामेश्वर चौपाल; बिहार-झारखण्ड के क्षेत्रीय संगठन सचिव और श्री केशव राजू अक्कारापू उपस्थित थे। स्वास्थ्य देखभाल से सम्बंधित आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित, क्विक हील का आरोग्य यान एक अत्याधुनिक चलता-फिरता मोबाइल क्लिनिक है। इसे पटना और गोपालगंज जिलों में और इनके आस-पास के बाढ़-प्रभावित इलाकों में स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं में सुधार के लिए डिजाईन किया गया है।